जो सच बोलता है, सबसे अधिक नफरत लोग उसी से करते है

तेवर वही, अंदाज नया ......!
साप्ताहिक
उज्जैन टाइम्स
प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा
डाक रजिस्ट्रेशन नं. मालवा डिवीजन-
L2/65/RNP/397/2024-2026
RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 27 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 02-04-2024 से 08-04-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

मेरठ। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर पीएम मोदी ने कमर कस ली है। पीएम मोदी ने उत्तर प्रदेश के शहर मेरठ में एक चुनावी रैली के दौरान विपक्ष पर जमकर निशाना साधा है। मंच से विपक्ष पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, ये इंडी गठबंधन लेकर आए हैं। मेरा भारत मेरा परिवार है। इन लोगों (इंडिया गठबंधन) से डरने वाला नहीं। मैं अपने देश को भ्रष्टाचारियों से बचाने के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं उनके खिलाफ एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। इसलिए बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी आज सलाखों के पीछे हैं।

भ्रष्टाचारी कान खोलकर सुन लें, ये मोदी है रुकने वाला नहीं

रैली को संबोधित करने के दौरान पीएम मोदी ने कहा, भ्रष्टाचारी कान खोलकर सुन लें, ये मोदी है रुकने वाला नहीं है। सुप्रीम कोर्ट तक से जमानत नहीं मिल रही है। कई बड़े-बड़े भ्रष्टाचारियों को कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसलिए पूरे देश में बिस्तर से नोटों के ढेर निकल रहे हैं, कहीं दीवारों से नोटों के ढेर निकल रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, आज ही कांग्रेस का एक और देश विरोधी कारनामा देश के सामने आया है। तमिलनाडु में भारत के समुद्री तट से कुछ देर श्रीलंका और तमिलनाडु के बीच में समुद्र में एक टापू है, ये द्वीप सुरक्षा की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। देश आजाद हुआ तब हमारे पास था और ये हमारे भारत का अभिन्न अंग रहा है। लेकिन कांग्रेस ने चार-पांच दशक पहले कह दिया कि ये द्वीप को गैर जरूरी है, फालतू है, यहां तो कुछ होता ही नहीं है। ये कहते हुए मां भारती का एक अंग कांग्रेस के लोगों ने काट दिया और भारत से अलग कर दिया।

मेरठ में पीएम ने कांग्रेस पर जमकर साधा निशाना

विपक्ष पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, पिछली सरकारों की गलतियों को आज देश भुगत रहा है। उन्होंने कहा, भारत के मछुआरे मछली पकड़ने के लिए समुद्र में जाते हैं तो इन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। उनकी बोट को कब्जा कर लिया जाता है, ये कांग्रेस के पाप का परिणाम है कि हमारे मछुआरे आज भी सजा भुगत रहे हैं। जब बोलने की बारी आती है तो डीएमके जैसे दल जो कांग्रेस के साथी हैं, ये भी मुंह भी ताला लगाकर बैठ जाते हैं। इंडी गठबंधन वाले न देश के जवानों का हित सोच सकते हैं न ही किसानों का हित सोच सकते हैं। न ही मछुआरों का। किसानों से नफरत करने वाले इंडी गठबंधन ने चौधरी चरण सिंह को भी सम्मान नहीं दिया। इंडी गठबंधन ने संसद के अंदर जो किया वो पूरे देश ने देखा है। जब हमारे छोटे भाई जयंत चौधरी संसद में चौधरी चरण सिंह के बारे में बोलने के लिए खड़े हुए तो उनकी आवाज को रोकने के लिए कोशिश की गई।

आएंगे तो मोदी ही-अमित शाह

जोधपुर। राहुल गांधी पर कड़ा प्रहार करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता को लोकतंत्र के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है और कहा कि भाजपा पूरी ताकत से सत्ता में आ रही है और देश के लोग नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जोधपुर में विशाल रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकतंत्र के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है; उनकी दादी ने आपातकाल के दौरान लाखों लोगों को जेल में डाल दिया, पार्टियों पर प्रतिबंध लगा दिया। बिना

नाम लिए केजरीवाल की गिरफ्तारी पर शाह ने कहा कि जो कोई भी भ्रष्टाचार करेगा वह जेल जाएगा। उन्होंने कहा कि आप कितनी भी पार्टियां इकट्ठा कर लो, आएंगे तो मोदी ही। अमित शाह ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में हमारे नेता नरेन्द्र मोदी ने हमारे सामने ‘400 पार’ का लक्ष्य रखा है और राजग 400 से ज्यादा सीटें जीतेगा तथा 370 से ज्यादा सीटें भाजपा जीतेगी। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है।

शाह ने कहा कि चुनाव का बिगुल बज चुका है। पहले और दूसरे चरण में राजस्थान की जनता को मतदान करना है और आप सभी को राजस्थान की जनता के पास नरेन्द्र मोदी जी का महान भारत की रचना का संदेश लेकर जाना है।

अबकी बार अगर चूके तो.....

लोकतंत्र के पावन ध्वज को,
अम्बर पर फहराना है।
अबकी बार अगर चूके तो
जीवन भर पछताना है।।
षड़यन्त्रों की काली आंधी,
सर्वनाश पर अड़ी खड़ी।
और सनातन संस्कृति अपनी,
नागों से है घिरी पड़ी।।
एक कालिया हो तो नाथें,
जिधर देखिये फन ही फन।
इतना उगला जहर कि जिससे,
नीला पड़ा, पूरा गगन।।
अब भी टूटी नहीं नींद तो,
मरघट बचा ठिकाना है।
अबकी बार अगर चूके तो,
जीवन भर पछताना है।।
मत सोचो कि दंड धारण कर,
राम बचाने आयेंगे।
अथवा चक्र सुदर्शन लेकर,
कृष्ण प्रकट हो जायेंगे।।
शिवजी के त्रिशूल नेत्र की,
आशा मिथ्या सपना है।
तुम ही राम, कृष्ण, शिव हो,
तुमको ही रण लड़ना है।।
एक बटन ही राम धनुष है,
चक्र सुदर्शन वही बटन।
अर्जुन का गाण्डीव वही है,
केवल छोटा एक बटन।।
उत्सव पर्व लौट आते हैं,
अवसर सदा नहीं आते।
जिसने भी चूके हैं अवसर,
जन्मों-जन्म फिर पछताते।।
कई नये अध्याय तुम्हें ही,
इतिहासों के लिखने हैं।
अपराजेय तुम्हारे मस्तक,
नहीं कहीं भी झुकने हैं।।
तुम्हें खरीदे किसी मोल भी
ऐसे कहीं कुबेर नहीं।
विश्व गुरु बनना भारत को,
देर भले अंधेर नहीं॥
हर विषधर का शीश कुचल,
वंशी स्वर लहराना है।
अबकी बार अगर चूके तो,
जीवन भर पछताना है।।

●संकलन-अखिलेश जैन

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था में मंदी का दुष्प्रभाव

आईआईटी, बॉम्बे से आई यह खबर विचारणीय है कि दुनिया में बड़ी नौकरियों का अभाव होने लगा है। वैसे तो दिसंबर से मई तक कैंपस प्लेसमेंट का दौर चलता है, लेकिन अभी तक के आंकड़ों को देखें, तो आईआईटी, बॉम्बे से इस साल पास हो रहे लगभग 36 प्रतिशत छात्रों की नौकरी सुरक्षित नहीं हुई है। संख्या में अगर बात करें, तो करीब 2,000 छात्रों ने कैंपस प्लेसमेंट के लिए आवेदन किया था, पर उनमें से 712 को अभी तक किसी कंपनी ने नौकरी का प्रस्ताव नहीं दिया है। इस विषय को लेकर कई आलोचकों ने चिंता का इजहार किया है, पर पिछले वर्षों से तुलना करें, तो स्थिति बहुत चिंताजनक नहीं दिखती है। अभी तक नौकरी न पाने वालों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 2.8 प्रतिशत अधिक है। विश्लेषकों की पहली दलील यही है कि विश्व अर्थव्यवस्था की स्थिति अच्छी नहीं है, इसलिए बड़ी नौकरियों के प्रस्ताव सामने नहीं आ रहे हैं। क्या एक आईआईटी से आए इन आंकड़ों को लेकर हमें बहुत चिंतित होना चाहिए? वास्तव में, चिंता उन्हीं लोगों को होगी, जो तुलनात्मक अध्ययन नहीं करेंगे।

हां, यह सही है कि विश्व अर्थव्यवस्था में मंदी का दुष्प्रभाव है। विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाएं तनाव से गुजर रही हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि आईआईटी से निकले इंजीनियर बेरोजगार रह जाएंगे। रोजगार तो सभी को मिलेगा, हां, कुछ इंतजार करना पड़ सकता है। दरअसल, आईआईटी, बॉम्बे अपनी नीति के तहत शुरुआत में कंपनियों के नाम और पैकेज का आधार तय करता है। जाहिर है, जब आप बड़ी विदेशी कंपनियों को प्लेसमेंट के लिए बुलाएंगे, तो वे बड़ी नौकरियां और बड़े पैकेज के साथ ही आएंगी। दूसरी बात, इसमें कोई शक नहीं कि बड़ी विदेशी कंपनियों ने पदों की संख्या घटा दी है। इसलिए कैंपस प्लेसमेंट में भारतीय कंपनियों को तरजीह देने की जरूरत है। भारत में प्रतिभाओं की भरमार है और आबादी भी बहुत ज्यादा है। यहां हर किसी को करोड़ रुपये का पैकेज नहीं प्रस्तावित किया जा सकता। वैसे भी करोड़ों की नौकरियां हकीकत नहीं हैं। हम पहले देख चुके हैं कि अनेक संस्थान अपने यहां प्लेसमेंट की पूरी हकीकत नहीं बताते और अपना सम्मान बढ़ाने के लिए दुष्प्रचार भी करते हैं। जैसे, महज 22 प्रतिभाओं को करोड़ रुपये का पैकेज प्रस्तावित होता है और प्रचार कर दिया जाता है, 80 से ज्यादा युवाओं को करोड़ की नौकरी का प्रस्ताव किया गया। संस्थानों को सच बताना चाहिए। अपने यहां से पढ़कर निकल रहे छात्रों को योग्य बनाने और ज्यादा से ज्यादा धन का पैकेज दिलाने की किसी संस्थान की कोशिश कतई गलत नहीं है, बल्कि यह काम तमाम संस्थानों को करना चाहिए, पर इसके लिए दुष्प्रचार का सहारा लेना अनुचित है।

बड़ी नौकरियां या बड़े पैकेज की नौकरियां जहां खुशी का कारण बनती हैं, तो वहीं लाखों नौजवानों को इससे निराशा भी होती है। एक तर्क तो यह भी है कि भारत में बड़े पैकेज वाली चंद नौकरियों के बजाय औसत दर्जे की ढेर सारी नौकरियों की ज्यादा जरूरत है। अर्थव्यवस्था की असलियत का पता करोड़ों के पैकेज से नहीं चलेगा और न इससे विकास दर का फैसला होगा। अपने देश में हमें ऐसे संस्थानों की ज्यादा जरूरत है, जो युवाओं को उद्यमशीलता के लिए तैयार करें। सरकारों को भी उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए ज्यादा प्रयास करने चाहिए और उससे भी जरूरी है कि देश में समग्र उच्च शिक्षा को उच्च स्तर पर लाया जाए।

विश्वव्यापी टीकाकरण अभियान में अवरोध

लैसेंट ग्लोबल हेल्थ में हालिया प्रकाशित रिपोर्ट इस मायने में चिंतनीय और महत्वपूर्ण है कि विश्वव्यापी टीकाकरण अभियान में अवरोध का असर सामने आने लगा है। दुनिया के देशों के सामने खसरा, हेजा, हेपेटाइटिस सहित 14 से अधिक बीमारियों के फैलने का संकट उभरने लगा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देशों में हैजा के कारण मौत का आंकड़ा लगभग दो गुणा हो गया है। तपेदिक नए वेरिएंट में आने लगी है जिसमें लगातार खांसी नहीं होने के कारण तपेदिक का पता लगने तक काफी देरी होने लगी है। दरअसल कोरोना अपना साइड इफेक्ट इस हद तक छोड़ गया है कि उसका असर हमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से आने वाले कई सालों तक देखने का मिलेगा। कोरोना के कारण दुनिया के देशों में टीकाकरण अभियान पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। 2019 के अंतिम त्रैमास से 2020 तक कोरोना त्रासदी और उसके बाद कोरोना के नित नए वेरिएंट के कारण स्वास्थ्य को लेकर चल रहे विभिन्न अभियानों पर सीधा असर पड़ा है। उसका असर अब दिखाई देने लगा है।

इंपीरियल कॉलेज लंदन के शोधार्थियों ने भारत सहित 112 देशों में किए गए अध्ययन में यह पाया है कि टीकाकरण में कोरोना काल में टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के कारण 2030 तक दुनिया के देशों में खसरा सहित 14 बीमारियों के फैलने के कारण अतिरिक्त मौत होगी। एक अनुमान के कारण अकेले खसरा के कारण ही 40 हजार से अधिक जान जाने का अनुमान है। हैजा के कारण होने वाली मौतों के आंकड़े सामने आये हैं। करीब करीब दोगुनी गति से हैजा के मामले सामने आने लगे हैं। 2023 में सात लाख के करीब मामले सामने आये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसीलिए चिंता जताई है।

दरअसल टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के लिए किसी को दोष भी नहीं दिया जा सकता। कोरोना 2019 के हालात ही ऐसे थे कि उस समय केवल और केवल कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने और लोगों की जान बचाना एकमात्र प्राथमिकता रह गई थी। सबकुछ ठहर जाने और दुनिया के किसी भी कोने पर नजर डालो, चारों ओर मौत का तांडव दिखाई देता था।

सारी दुनिया का ध्यान इस त्रासदी से एक -एक जान बचाना बड़ी प्राथमिकता थी। इस दौरान टीकाकरण अभियान तो जोर-शोर से चला पर वह अन्य बीमारियों के स्थान पर कोरोना से बचाव के वैक्सीनेशन और उसकी पहली और दूसरी डोज पर ही केन्द्रित रहा। दुनिया के देशों तक कोरोना वैक्सीन पहुंचाना पहली प्राथमिकता रही। कोरोना वैक्सीनेशन के लिए भारत ने सारी दुनिया का नेतृत्व किया। परिणाम सामने हैं। आज कोरोना का आतंक लगभग समाप्त हो चुका है। पर करोना के साइड इफेक्ट आज भी सामने हैं। हालांकि कोरोना में मौत को नजदीक से देखने और कोरोना के कारण लाचारगी के बावजूद दुनिया के देशों में जो समझ आनी चाहिए थी वह कोसों दूर है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, चीन की दादागिरी सहित दुनिया के देशों में संघर्ष, आतंकवादी घटनाएं बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती है।

दरअसल कोरोना काल ही ऐसा था कि उस समय वर्षो से चले आ रहे अभियान लगभग ठहर गए थे। बल्कि यूं कहा जाए कि उस समय सारी दुनिया का ध्यान सबसे हटकर कोरोना त्रासदी से बचाव की ओर रह गया था। कोरोना प्रोटोकाल और कोरोना वायरस के संक्रमण के तरीके ने हिला कर रख दिया था। मास्क, सेनेटाइजर, सोशल डिस्टेंस उस समय का धर्म था तो अस्पताल तो दूर की बात घर से निकलते भी भय लगता था। ऐसे में टीकाकरण अभियान बाधित होना ही था। इसके साथ ही कोरोना वैक्सीन की और सबका ध्यान होने से अन्य वैक्सीन के उत्पादन और उपलब्धता प्रभावित होना स्वभाविक था पर अब जो अध्ययन सामने आया है और जो देखने को मिल रहा है वह चिंतनीय है। खसरा, हैजा, तपेदिक, हैपेटाइटिस बी सहित 14 प्रकार के टीके जो समय पर लगाये जाने आवश्यक होते हैं वह प्रभावित हुए हैं। खसरा और फ्लू के नित नए वैरिएंट सामने आ रहे हैं। स्वाइन फ्लू, पैरट फीवर, रुबेला, निमोनिया और ना जाने क्या-क्या जानलेवा बीमारियां असर दिखाने लगी है। हैजे के दो साल में ही बढ़ते मामलों को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन अपनी चिंता जता चुका है। केवल हैजा के ही 2022 की तुलना में 2023 में करीब 48 प्रतिशत से अधिक मामले सामने आना अत्यधिक चिंता का कारण है। लोगों के इम्यूनेशन पॉवर में कमी आना बेहद चिंतनीय है।

मौसम के जरा से बदलाव के साथ ही डॉक्टरों के यहां कतार लग जाना और नित नए वैरिएंट में बीमारियां होना अपने आप में गंभीर हो जाता है। चिकित्सा विज्ञान में शोध व अध्ययन कर रहे शोधार्थियों के लिए हालात चिंतनीय होते जा रहे हैं। उल्टा होने यह लगा है कि जो बीमारियां लगभग समाप्ति की और थी उनके नए वैरिएंट भी दिखाई देने लगे हैं। तपेदिक इसका उदाहरण है।

अब हालात सामने हैं। कोरोना के कारण जो हालात बने उसके लिए किसी को दोष नहीं दिया जा सकता है। अब हो हालात और चुनौती सामने है उसी को देखते हुए आमजन के स्वास्थ्य की रणनीति तैयार करनी होगी। कोरोना के कारण प्रभावित वैक्सीनेशन से निपटने की योजना बनानी होगी।

ऐसे समन्वित प्रयास करने होंगे ताकि टीकाकरण नहीं होने के कारण जो हालात बन रहे हैं उसका कोई सार्थक समाधान खोजा जा सके। यह किसी एक देश या एक कौम की चिंता नहीं है अपितु दुनिया के 112 देशों के अध्ययन का परिणाम है।

अब इसका संभावित उपाय खोजने के लिए वैज्ञानिकों को जुट जाना होगा। वैज्ञानिकों की मेहनत का ही परिणाम है कि 1937 से 2021 तक टीकाकरण अभियान से इन जानलेवा बीमारियों पर काफी हद तक अंकुश पाया जा सका। पर अब टीकाकरण अभियान में आये व्यवधान के कारण हालात में थोड़ा बदलाव आया है, जिसे ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना होगा। चुनौतियां दो तरह की सामने है। एक ओर इन बीमारियों के फैलाव या यूं कहें कि संक्रमण को रोकना है तो दूसरी ओर इनसे प्रभावितों के सही इलाज की चुनौती सामने है। दुनिया के देशों को इसके लिए जुट जाना होगा तो विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी गंभीर चिंतन मनन के साथ कारगर रणनीति तैयार करनी होगी।

कैसे इंदिरा गांधी ने श्रीलंका को दे दी थी भारत की जमीन?

कच्चाथीवू द्वीप का मुद्दा लोकसभा चुनाव से पहले एक बार फिर सामने आया है। विधानसभा चुनाव से पहले भी प्रधानमंत्री मोदी ने इस द्वीप का जिक्र किया था। आजादी के बाद भी जमीन का यह टुकड़ा भारत के अधीन था लेकिन श्रीलंका इसपर दावा ठोकता था। 1974 में एक समझौते के तहत तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस टापू को श्रीलंका को सौंप दिया था। हिंद महासागर में कच्चाथीवू द्वीप भारत के दक्षिणी छोर पर श्रीलंका के बीच में स्थित है। इस द्वीप पर ज्वालामुखी विस्फोटों की वजह से कोई नहीं रहता है। हालांकि इसपर पूरा नियंत्रम श्रीलंका का है। इस द्वीप पर चर्च है। गौर करने वाली बात है कि यह द्वीप मछुआरों के लिए बहुत उपयोगी है।

तमिलनाडु में भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने आरटीआई के जरिए इस द्वीप को सौंपे जाने को लेकर दस्तावेज हासिल किए हैं। दस्तावेजों को हिसाब से यह द्वीप भारत से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और इसका आकार 1.9 वर्ग किलोमीटर का है। भारत की आजादी के बाद से ही श्रीलंका यानी तब का सीलोन इसपर दावे करने लगा। 1955 में सीलोन की नौसेना ने इस द्वीप पर युद्धाभ्यास किया। वहीं भारतीय नौसेना को युद्धाभ्यास करने से रोक दिया गया।

पंडित नेहरू ने कहा था-द्वीप देने में संकोच नहीं करूंगा

पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने एक बार संसद में कहा था कि मैं नहीं चाहता कि इस द्वीप का मुद्दा बार बार संसद में सुनने को मिले इसलिए हम इस पर से अपना दावा छोड़े में संकोच नहीं करेंगे। तब के कॉमनवेल्थ सेक्रेटरी वाईडी गुंदेविया ने एक नोट तैयार किया। इसे 1968 में सलाहकार समिति ने बैकग्राउंडर के तौर पर इस्तेमाल किया।

दरअसल 17वीं शताब्दी तक यह द्वीप मदुरई के राजा रामनद की जमींदारी के अधीन था। हालांकि ब्रिटिश हुकूमत के दौरान यह मद्रास प्रेसिडेंसी के अधीन आ गया। इस द्वीप का इस्तेमाल मछुआरे किया करते थे। वहीं इस द्वीप को लेकर हमेशा तनाव बना रहता था। इसके बाद 1974 में दोनों देशों के बीच बैठकें हुईं। पहली बैठक कोलंबों में और

दूसरी नई दिल्ली में हुई। इसके बाद इंदिरा गांधी ने एक तरह से द्वीप को गिफ्ट में श्रीलंका को दे दिया। जब बैठकें हुईं तो भारत ने इस द्वीप पर अपने अधिकार को लेकर कई सबूत भी रखे थे। इसमें राजा नामनद के अधिकार का भी जिक्र था। वहीं श्रीलंका इस तरह का कोई दावा पेश नहीं कर पाया थआ।

इसके बावजूद विदेश सचिव ने कहा कि श्रीलंका का दावा भी मजबूत है। इसमें दिखाया गया है कि द्वीप जफनापट्टनम का हिस्सा था। भारत की सर्वे टीम स्वीकार करती है कि मद्रास यह नहीं बताया है कि रामनद के राजा के पास इसका ओरिजनल टाइटल था. इस द्वीप को सौंपने के लिए समझौता किया गया कि मछुआरे अपना जाल सुखाने के लिए इस द्वीप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा इस द्वीप पर ने चर्च में भारतीय बिना वीजा के आ जा सकेंगे। 1976 में हुए एक और समझौते में कहा गया कि भारतीय मछुआरे मछली पकड़ने वाले जहाज को लेकर श्रीलंका के एक्सक्लूसिल इकनॉमिक जोन में नहीं जा सकते। इसके बाद विवाद काफी भड़का था।

द्वीप को श्रीलंका को सौंपे जाने के दौरान भी तत्कालीन मुख्यमंत्री करुणानिधि ने इसका विरोध किया था। वहीं 1991 में तमिलनाडु की विधानसभा में इस द्वीप को भारत में मिलाने का प्रस्ताव भी पास किया गया। इसके बाद 2008 में जयललिता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि बिना संविधान संशोधन के भारत सरकार ने अपने द्वीप को किसी और देश को कैसे सौंप दिया। 2011 में उन्होंने विधानसभा में एक प्रस्ताव भी पारित करवाया। हालांकि 2014 में अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह द्वीप श्रीलंका को दे दिया गया है और इसे अगर लेना है तो युद्ध लड़ने के आलावा दूसरा कोई चारा नहीं है।

छिंदवाड़ा में क्यों टूट रही कांग्रेस?

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने उनके गढ़ छिंदवाड़ा में लगातार सेंधमारी कर रही सत्ताधारी भाजपा पर सोमवार को तीखा हमला बोला। उन्होंने बीजेपी पर धनबल, बाहुबल और सत्ता बल का दुरुपयोग करते हुए नेताओं को डराने धमकाने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर कमलनाथ ने लिखा, मैं 45 सालों से छिंदवाड़ा को भारत का सबसे विकसित इलाका बनाने की तपस्या कर रहा हूं। छिंदवाड़ा मेरे लिए कर्मभूमि और तपोभूमि है और भाजपा वाले इस पवित्र भूमि को रणभूमि बनाना चाहते हैं। उनके मुताबिक भारतीय जनता पार्टी धनबल, बाहुबल और सत्ता बल का दुरुपयोग करने में लगी है। नेताओं को डराया धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा, छिंदवाड़ा की जनता भाजपा की इस कारस्तानी को बड़े गौर से देख रही है और उसने ठान लिया है कि जो लोग छिंदवाड़ा के ऊपर आक्रमण कर रहे हैं, जनता उन्हें करारा जवाब देगी।

पूर्व मुख्यमंत्री के मुताबिक, हर चुनाव के पहले भारतीय जनता पार्टी झूठ, फरेब और सौदेबाजी का खेल खेलती है लेकिन जब चुनाव परिणाम आता है तो पता चलता है कि छिंदवाड़ा की जनता ने भाजपा को उसके अपराध का उचित दंड दिया है। आगे उन्होंने लिखा, छिंदवाड़ा अपने सम्मान से कोई गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं करेगा और अपनी विकास यात्रा पर अविरल आगे बढ़ता रहेगा। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने भाजपा पर ये तीखा हमला हाल के दिनों में बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद किया है। बता दें कि दिसंबर में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली भयंकर पराजय के बाद से ही कांग्रेस में भगदड़ की स्थिति मची हुई है। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में भी लगातार कांग्रेस नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। भाजपा ने भी कमलनाथ से ये सीट छीनने के लिए अपना पूरा फोकस वहीं पर कर रखा है और कांग्रेस पार्टी में जमकर तोड़फोड़ कर रही है। हाल ही में छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह अपनी पत्नी और बहन के साथ भाजपा में शामिल हुए थे। इसके बाद सोमवार को छिंदवाड़ा के आदिवासी नेता और महापौर विक्रम अहाके ने भी कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। जिसके बाद से भड़के कमलनाथ ने ये X पोस्ट (ट्वीट) की। छिंदवाड़ा को कमलनाथ का गढ़ यूँ ही नहीं कहा जाता है। दरअसल साल 1980 से लेकर साल 2009 तक वे यहाँ से कुल 9 बार सांसद चुने गए। इस दौरान 1996 में हुए चुनाव में उनकी पत्नी अलकानाथ यहाँ से सांसद बनी थी, वहीं कमलनाथ को सिर्फ एक बार यानी 1997 में हुए उपचुनाव में भाजपा के सुन्दरलाल पटवा के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

मतदान में शत प्रतिशत वीवीपैट पर्ची की गिनती की याचिका पर आयोग को न्यायालय का नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शत प्रतिशत इलेक्ट्रोनिक मतदान मशीनों (ईवीएम) में मतदाता द्वारा जांची गयी मतदान की कागजी प्रति (वीवीपैट) की गणना कराने की व्यवस्था का निर्देश दिये जाने की मांग को लेकर दायर एक याचिका पर सोमवार को चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया।

फिलहाल आयोग द्वारा हर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बिना किसी पूर्व विचार के पांच-पांच ईवीएम मशीनों में वीवीपैट लगाने की व्यवस्था है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और संदीप मेहता की पीठ ने आयोग को नोटिस जारी करने के साथ इसी तरह की याचिका को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की याचिका के साथ रखे जाने के आदेश दिए। संबंधित याचिका में चुनाव आयोग के उस दिशा निर्देश को भी चुनौती दी गयी है जिसमें वीवीपैट की पुष्टि का सत्यापन बारी बारी से किए जाने की व्यवस्था है जिससे मतदान के सत्यापन में देरी होती है। याचिका में कहा गया है कि यदि हर विधानसभा क्षेत्र में मतगणना के लिए और अधिक कर्मचारी लगाकर वीवीपैट की पुष्टि साथ साथ करा दी जाए तो यह काम पांच छह घंटे में हो सकता है। याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि सरकार ने चौबीस लाख वीवीपैट खरीदने के लिए पांच हजार करोड़ रुपये खर्च किए है लेकिन अभी करीब केवल बीस हजार वीवीपैट सेट की पर्चियों की पुष्टि करायी जाती है। याचिका में कहा गया है कि कई विशेषज्ञ इस विषय में कई प्रश्न उठा चुके है और ईवीएम तथा वीवीपैट के मतों में बड़ी संख्या में विसंगतियों की सूचनाएं विगत में आती रही है। याचिका में उच्चतम न्यायालय से मांग की गयी है कि ईवीएम के वोट का मिलान वीवीपैट की पर्ची के साथ कराया जाए। वीवीपैट की पर्चियों की पुष्टि बारी बारी से कराने के आयोग के अगस्त 2023 के दिशा निर्देश को निरस्त किया जाए। आयोग को निर्देश दिया जाए कि वो मतदाताओं को वीवीपैट की अपनी पर्ची को मतदान के बाद एक अलग मतपेटी में डालने की अनुमति दे तथा आयोग वीवीपैट मशीन के शीशे को पारदर्शी रखे और मतदान करते समय उसकी बत्ती इतने समय तक जलती रही कि मतदाता अपने मत की कागजी रिकार्डिंग को आराम से देख सके और उस पर्ची को फाड़कर अलग पेटी में डाल सके।

घूंघट हटा खुलकर मैदान में उतरी कमलनाथ की बहू प्रिया

छिंदवाड़ा। लोकसभा चुनाव में काफी कम वक्त रह गया है। बीजेपी कांग्रेस दोनों ही जोर शोर से चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। छिंदवाड़ा से मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ चुनावी मैदान में हैं। ऐसे में उनके चुनाव प्रचार के लिए खुद उनकी पत्नी घूंघट हटाकर सामने आई हैं। इस दौरान उन्होंने कमलनाथ का साथ छोड़ बीजेपी में शामिल होने वाले नेताओं पर जमकर हमला बोला और कहा कि जब उनकी अग्निपरीक्षा का समय आया तो उन्होंने धोखा दे दिया।

कमलनाथ की बहू प्रिया ने कहा, हम में से कोई हिम्मत नहीं हारेगा। मैं जहां भी जाती हूं लोग मुझसे कहते हैं कि आप बिल्कुल मत डरना। मैं कहती हूं, मैं बिल्कुल नहीं डरी, दुख जरूर हुआ है। जब मैं पिताजी कमलनाथ को देखती हूं तो दुख होता है कि जिन्हें हमने अपना समझा कमलनाथ दी ने आशीर्वाद दिया, जब उनकी अग्निपरीक्षा का समय आया तो उन्होंने धोखा दिया। तो दुख जरूर होता है लेकिन डर नहीं लगा क्योंकि हमारी असली शक्ति तो यहां मौजूद है।

उन्होंने कहा, मैं आप सभी को विश्वास दिलाती हूं कि हम एक नई क्रांति के साथ आगे बढ़ेंगे। हम 44 साल से साथ में थे और रहेंगे। वो शक्ति पैदा नहीं हुई जो 44 दिन में ये रिश्ता खत्म कर दे। बता दें, इससे पहले भी खेत में प्रिया नाथ प्रचार करतीं नजर आईं थी। लेकिन तब उनके चेहरे पर घूंघट था। हालांकि अब वो बिना डूंघट लोगों के बीच प्रचार करती नजर आईं। पिछले दिनों कांग्रेस के कई नेता बीजेपी में शामिल हो गए हैं। छिंदवाड़ा से मेयर विक्रम अहाके भी बीजेपी में शामिल हुए थे। इससे पहले छिंदवाड़ा की एक विधानसभा के विधायक कमलेश शाह भी बीजेपी में शामिल हुए थे। छिंदवाड़ा, कमल नाथ का गृह जिला है।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 19 अप्रैल को इस सीट पर मतदान होना है। नकुल नाथ ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में छिंदवाड़ा से नामांकन पत्र दाखिल किया था और पूरे राज्य में यही एक मात्र सीट थी जिस पर कांग्रेस को जीत हासिल हुई थी। इस सीट से कमलनाथ भी नौ बार सांसद रह चुके हैं। भाजपा ने इस बार यहां से विवेक बंटी साहू को मैदान में उतारा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि अहाके नकुलनाथ द्वारा आदिवासी समुदाय के अपमान से आहत होकर भाजपा में शामिल हुए हैं। यादव ने कहा कि नकुल नाथ ने गोंड आदिवासी शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाले अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह को बेईमान और ''देशद्रोही'' बताकर अपमानित किया था। मुख्यमंत्री ने कहा, ''छिंदवाड़ा के महापौर अहाके ने बोला कि वह ऐसी पार्टी में नहीं रहना चाहते जहां आदिवासियों का अपमान हो। इसलिए, वह आज भाजपा में शामिल हो गए।

अप्रैल-जून में अत्यधिक गर्मी पड़ने की आशंका

देशभर में अप्रैल से जून तक अत्यधिक गर्मी पड़ने की आशंका है, जिसका मध्य और पश्चिमी प्रायद्वीपीय भागों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी है।

आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने कहा, इस अवधि के दौरान मैदानी इलाकों के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक लू चलने की संभावना है। देश के विभिन्न हिस्सों में सामान्यतः चार से आठ दिनों की तुलना में 10 से 20 दिनों तक लू चलने की संभावना है।

उन्होंने कहा, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तरी छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में गर्मी का सबसे बुरा प्रभाव पड़ने की आशंका है। श्री महापात्र ने कहा, अप्रैल और जून के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने के आसार है, पूर्वी और उत्तर-पूर्व भारत के कुछ हिस्सों और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहां सामान्य से सामान्य से नीचे अधिकतम तापमान होने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि अप्रैल में देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार है मध्य दक्षिण भारत में इसके उच्च आसार है। श्री महापात्र ने कहा, अप्रैल में, दक्षिण प्रायद्वीप के कई

हिस्सों और आसपास के उत्तर-पश्चिम मध्य भारत, पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में सामान्य से अधिक गर्मी वाले दिन होने का अनुमान है।

16 साल की भतीजी को लेकर भाग गई लेस्बियन चाची

खरगोन। चाची-भतीजी के रिश्ते को कलंकित करने का शर्मनाक मामला सामने आया है। मध्य प्रदेश के खरगोन में 24 वर्षीय एक समलैंगिक महिला ने अपनी हवस की प्यास बुझाने के लिए जेठ की नाबालिग बेटी को अगवा और शादी रचा ली। उसके साथ अलग-अलग जगह ले जाकर शारीरिक संबंध भी बनाए। वह उसके साथ पति-पत्नी की तरह रह रही थी। पुलिस ने आरोपी लेस्बियन चाची को गिरफ्तार कर लिया है।

एक पुलिस अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि खरगोन जिले में एक महिला को अपने पति की नाबालिग भतीजी को कथित तौर पर अगवा करने, उससे शादी करने और उसका यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

बरुद पुलिस थाना प्रभारी रितेश यादव ने बताया कि आरोपी महिला ने 27 मार्च को 16 वर्षीय पीड़िता को अगवा किया था, जिसके बाद दोनों का पता लगाकर पिछले सप्ताह उन्हें वापस लाया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि दिन में, अदालत में पीड़िता का बयान दर्ज कराया गया। आरोपी महिला ने एक साल पहले उमरखाली गांव के एक व्यक्ति से शादी की थी, लेकिन बाद में महिला ने अपने पति की भतीजी के साथ शारीरिक संबंध बना लिए।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी महिला ने पूछताछ में हमें बताया कि वह समलैंगिक है। वह लड़की को अपने साथ धामनोद और इंदौर ले गई थी, जहां वह उसके साथ पति-पत्नी की तरह रहने लगी थी। अधिकारी ने बताया कि महिला पर भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ज्ञानवापी मस्जिद के व्यासजी का तहखाना में पूजा रोकने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वाराणसी के विवादित ज्ञानवापी मस्जिद के व्यासजी का तहखाना में हिंदू पक्ष को पूजा करने से रोकने की याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, यथास्थिति बनाए रखना महत्वपूर्ण है, ताकि दोनों समुदाय अपनी- अपनी तरह से धार्मिक आस्था का निर्वहन कर सकें। पीठ ने इस मामले में मस्जिद समिति की ओर से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की और यह आदेश पारित किया। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत द्वारा हिंदू पक्षकारों को पूजा करने की अनुमति देने के फैसले के खिलाफ मस्जिद समिति की अपील ठुकरा दी थी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मस्जिद के तहखाने में पूजा और अन्य हिस्से (मस्जिद के) में नमाज पढ़ने की व्यवस्था को फिलहाल जारी रखने की अनुमति दी और कहा कि इस मामले में अंतिम सुनवाई जुलाई में की जाएगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि मस्जिद में नमाजियों के प्रवेश और नमाज अदा करने के लिए उत्तर की ओर प्रवेश द्वार है, जबकि तहखाने में दक्षिण की ओर।

भारत को मिलेगी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट?

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता के लिए भारत लंबे समय से प्रयासरत है। इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कह दिया है कि भारत को यूएनएससी की स्थायी सदस्यता जरूर मिलेगी। हालांकि उन्होंने कहा कि इसके लिए अधिक मेहनत करने की जरूरत है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता जरूर मिलेगी। दुनिया में यह भावना है कि भारत को यह स्थान जरूर मिलना चाहिए, लेकिन देश को इस बार अधिक मेहनत करनी होगी।

वह गुजरात के राजकोट शहर में बुद्धिजीवियों के साथ बातचीत के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान दर्शकों ने उनसे हस्ष्ट का स्थायी सदस्य बनने की भारत की संभावनाओं के बारे में पूछा। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का गठन लगभग 80 साल पहले हुआ था। पांच देशों (चीन, फ्रांस, रूसी संघ, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका) ने आपस में इसकी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का फैसला किया।

उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया में कुल मिलाकर लगभग 50 स्वतंत्र देश थे, जो समय के साथ बढ़कर लगभग 193 हो गए हैं। जयशंकर ने कहा, लेकिन इन पांच देशों ने अपना नियंत्रण बनाए रखा है। यह अजीब है कि आपको बदलाव के लिए उनकी सहमति देने के लिए कहना पड़ रहा है। कुछ सहमत हैं, कुछ अन्य ईमानदारी से अपना पक्ष रखते हैं, जबकि अन्य ऐसे देश हैं जो पीछे से कुछ करते रहते हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि यह सब कई वर्षों से चल रहा है। उन्होंने कहा, लेकिन अब, दुनिया भर में यह भावना है कि इसे बदलना चाहिए और भारत को स्थायी सीट मिलनी चाहिए। मैं इस भावना को हर साल बढ़ता हुआ देख रहा हूं। जयशंकर ने कहा, हम इसे निश्चित रूप से हासिल करेंगे। लेकिन कड़ी मेहनत के बिना कुछ भी बड़ा हासिल नहीं होता है। उन्होंने कहा, हमें कड़ी मेहनत करनी होगी और इस बार हमें और भी अधिक मेहनत करनी होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत, जापान, जर्मनी और मिस्र ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र के समक्ष एक प्रस्ताव रखा है और उनका मानना है कि इससे मामला थोड़ा आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा, लेकिन हमें दबाव बनाना चाहिए, और जब यह दबाव बढ़ता है... तो दुनिया में यह भावना पैदा होती है कि संयुक्त राष्ट्र कमजोर हो गया है। यूक्रेन युद्ध पर संयुक्त राष्ट्र में गतिरोध था और गाजा के संबंध में संयुक्त राष्ट्र में कोई आम सहमति नहीं बन पाई। मुझे लगता है कि जैसे-जैसे यह भावना बढ़ेगी, हमें स्थायी सीट मिलने की संभावना बढ़ेगी।

विपक्षी इंडिया गठबंधन और मोदी की रैली

31 मार्च को बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने जहां मेरठ से चुनावी शंखनाद किया, वहीं दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन के नेताओं ने विपक्षी एकजुटता की मिसाल दी और सरकार पर विपक्ष के उत्पीड़न का आरोप लगाया। रविवार का दिन था और मार्च महीने की आखिरी तारीख। राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन में शामिल विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। लोकतंत्र बचाओ रैली नाम की इस रैली में शामिल नेताओं ने लोगों से अपील की कि वो लोकसभा चुनावों में गणतंत्र और संविधान बचाने के लिए बीजेपी के खिलाफ मतदान करें। रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, एनसीपी नेता शरद पवार, नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता फारूक अब्दुल्ला, शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे, सीपीएम के सीताराम येचुरी, सीपीआई के डी राजा, सीपीआई एमएल के दीपांकर भट्टाचार्य, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, आरजेडी से तेजस्वी यादव और टीएमसी से डेरेक ओ ब्रायन मौजूद रहे। लेकिन रैली में जो खास मौजूदगी चर्चा में रही, वो थी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन। दोनों ही महिलाओं ने बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया और कहा कि इसी दुरुपयोग के चलते उनके पति गिरफ्तार किए गए हैं।

लोकतंत्र बचाओ रैली में इंडिया गठबंधन की तरफ से पांच मांगें रखी गईं, जिनमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की रिहाई की मांग भी शामिल है।

विपक्ष की मांग

- चुनाव आयोग को लोकसभा चुनावों में समान अवसर सुनिश्चित करना चाहिए।
- चुनाव आयोग को चुनाव में हेराफेरी करने के उद्देश्य से विपक्षी दलों के खिलाफ जांच एजेंसियों की ओर से की जानी वाली कार्रवाई रोकनी चाहिए.
- हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए।
- चुनाव के दौरान विपक्षी राजनीतिक दलों का आर्थिक रूप से गला घोंटने की जबरन कार्रवाई तुरंत बंद होनी चाहिए।
- चुनावी चंदे का उपयोग कर बीजेपी द्वारा बदले की भावना, जबरन वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी का गठन होना चाहिए।

इंडिया गठबंधन की रैली में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी शामिल हुईं। रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने 400 पार का नारा दिया है, लेकिन सच्चाई कुछ और है। उन्होंने कहा, हमारे सामने लोकसभा का चुनाव है। हमारी टीम में से मैच शुरू होने से पहले दो खिलाड़ियों को गिरफ्तार करके अंदर कर दिया गया। ये जो उनका 400 पार का नारा है, वो बिना मैच फिक्सिंग के 80 पार भी नहीं हो सकता है। कांग्रेस पार्टी विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है। हमारे सभी बैंक अकाउंट बंद कर दिए गए हैं। हमारे सारे संसाधनों को बंद कर दिया गया। ये कैसा चुनाव हो रहा है? नेताओं को जेल में डाला जाता है। ये मैच फिक्सिंग करने की कोशिश की जा रही है। राहुल गांधी का कहना था, यह चुनाव सिर्फ सरकार बनाने का चुनाव नहीं है, यह देश को बचाने का चुनाव है, संविधान की रक्षा का चुनाव है।

मेरठ में नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली

दिल्ली से करीब 80 किलोमीटर दूर मेरठ में एनडीए के यूपी के घटक दलों ने भी एकजुटता दिखाते हुए एक चुनावी रैली की। रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। विपक्षी नेताओं को भ्रष्टाचार में लिप्त बताते हुए मोदी ने कहा, इन लोगों ने मिलकर इंडी गठबंधन बनाया है। इन्हें लगता है कि मोदी इनसे डर जाएगा, लेकिन मेरे लिए मेरा भारत मेरा परिवार है।

खासतौर पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी सलाखों के पीछे हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट से भी जमानत नहीं मिल रही है। इन बेईमानों ने जो धन लूटा है, वो धन मैं गरीबों को लौटाऊंगा।

मेरठ की इस चुनावी रैली में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी के अलावा एनडीए घटक दलों के दूसरे नेता भी मौजूद रहे। इनमें अपना दल की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल, सुभासपा (सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी) के अध्यक्ष ओपी राजभर और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद भी शामिल हुए। हालांकि, संजय निषाद गठबंधन से नाराज बताए जा रहे हैं, लेकिन मेरठ की रैली में वो शामिल रहे।

विपक्ष ने भी उठाया भ्रष्टाचार पर सवाल

मेरठ की रैली में पीएम मोदी एलान कर रहे थे कि भ्रष्टाचारी कान खोलकर सुन लें, मोदी पर चाहे जितने भी हमले करो, ये मोदी है रुकने वाला नहीं है। भ्रष्टाचारी चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, एक्शन होगा और जरूर होगा। जिसने देश को लूटा है उसे लौटाना ही पड़ेगा। ये मोदी की गारंटी है। वहीं दूसरी ओर दिल्ली के रामलीला मैदान से विपक्ष यह जानने की कोशिश कर रहा था कि भ्रष्टाचार के आरोप में सने उन नेताओं का भ्रष्टाचार कहां चला जाता है, जो बीजेपी में शामिल हो जाते हैं। विपक्ष का यह सवाल पीएम मोदी तक पहुंचा तो जरूर होगा क्योंकि यह सवाल अक्सर पूछा जाता है, लेकिन पीएम की तरफ से उन्हें इसका जवाब मिलेगा इसमें संदेह है।

लोकसभा चुनाव के सिलसिले में एनडीए की ये पहली बड़ी रैली थी। हालांकि, इससे पहले अब तक पीएम मोदी समेत कई अन्य नेताओं की यूपी समेत कई जगहों पर सभाएं और रैलियां हो चुकी हैं। वहीं दूसरी ओर, विपक्ष अभी भी सामूहिक तौर पर किसी चुनावी तैयारी को अंतिम रूप नहीं दे पाया है। इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के बीच सीटों के समझौते को लेकर बातचीत भले ही फाइनल हो चुकी हो, लेकिन कई जगह पर सीटों को लेकर अभी भी विवाद सामने आ रहे हैं।

हालांकि गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर एनडीए गठबंधन में भी स्थितियां वैसी ही हैं। उड़ीसा में तो बीजू जनता दल के साथ गठबंधन बनते-बनते टूट गया और यूपी में भी अभी गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीट शेयरिंग फाइनल नहीं हुई है।

फिर भी, तैयारियों के लिहाज से एनडीए गठबंधन, इंडिया गठबंधन की तुलना में कहीं आगे है। यही वजह है कि एनडीए गठबंधन जब चुनावी रैलियां कर रहा है, तब इंडिया गठबंधन को अपनी एकजुटता दिखाते हुए लोगों को यह बताना पड़ रहा है कि सरकार उन्हें हर तरह से चुनाव लड़ने से रोकने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस ने नियम-कानून का पालन, अपना अपमान समझा-भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के आयकर मामले में धरना प्रदर्शन को चोरी और सीनाजोरी का उदाहरण करार दिया है और कांग्रेस ने देश की संवैधानिक संस्थाओं को हमेशा अपनी जागीर समझा है और नियमों एवं कानूनों के अनुपालन को अपना अपमान माना है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने यहां पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में आयकर मामले को कांग्रेस द्वारा किये गए धरना-प्रदर्शन पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का यह धरना प्रदर्शन चोरी और सीनाजोरी का ज्वलंत उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक तो नियमों का पालन नहीं करती, जब एजेंसियां इसके लिए नोटिस देती हैं तो उसे अनदेखा करती है। अंत में जब कार्रवाई होती है, तो खुद को पीड़ित साबित करने लग जाती है। अगर आप नियमों का पालन नहीं करेंगे तो कार्रवाई होना ही है। प्रवक्ता ने कहा कि जब उच्च न्यायालय ने नियमानुसार कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दी तो ये लोग अब जनता में झूठ फैलाने के लिए धरना-प्रदर्शन का सहारा ले रहे हैं। वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस दहाई के अंक में सिमट कर रह गई थी, मगर ऐसे कारनामों के बाद, आने वाले चुनावों में कांग्रेस दस से भी कम सीटों पर ही रह जाएगी। सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि देश की हर राजनीतिक पार्टी के लिए उसकी आय उसे मिला हुआ चंदा ही होता है। लेकिन इस आय पर छूट पाने के लिए हर दल को आयकर अधिनियम 13(ए) की शर्तों को पूरा करना होता है। आयकर विभाग के अनुसार, कांग्रेस का सच यह है कि असेसमेंट वर्ष 2018-19 में अधिनियम 13(ए) का उल्लंघन किया है। आश्चर्यजनक बात ये है कि कांग्रेस पार्टी को इस असेसमेंट वर्ष के 33 महीने और आयकर आयुक्तालय में उनकी अपील खारिज होने के 10 महीने तक कई नोटिस दिए गए लेकिन कांग्रेस ने इन नोटिसों का अनदेखा किया।

न्यायाधीशगण ने पौधे रोपे

उज्जैन। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्री दीपेश तिवारी के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण के उद्देश्य से पंच-ज अभियान (जल, जंगल, जमीन, जन एवं जानवर) के अंतर्गत महाकाल सांस्कृतिक वन की नक्षत्र वाटिका, विक्रम युनिवर्सिटी ग्राउण्ड, उज्जैन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं वन विभाग, उज्जैन के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्री दीपेश तिवारी द्वारा सर्वप्रथम पॉपुलर प्रजाति का पौधा रोपित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात अन्य न्यायाधीशगण द्वारा विभिन्न प्रजाति जैसे- बेलपत्र, जामुन, शीशम, खिरनी, मोहसली इत्यादि के लगभग पौधों का पौधारोपण किया जाकर पर्यावरण संरक्षण का 40 संकल्प लिया। श्री तिवारी ने कहा कि पर्यावरण के बढ़ते प्रदूषण के कारण आज

अधिक से अधिक वृक्षों की आवश्यकता है, इसके साथ ही वर्तमान समय में उचित मानव स्वास्थ्य, मरुस्थल के विस्तार को रोकने हेतु भी वृक्षारोपण करना अति आवश्यक है।

इस अवसर पर कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्री विवेक कुमार गुप्ता, जिला वन मण्डलाधिकारी डॉ. श्रीमती किरण बिसेन, विशेष न्यायाधीश श्री सुनील कुमार, जिला न्यायाधीश एवं सचिव श्री कपिल भारद्वाज, जिला न्यायाधीशगण क्रमशः श्री संजय राज ठाकुर, श्री संजय श्रीवास्तव, श्रीमती मंजुल पाण्डेय, श्री राजेश जैन, श्री वीरेंद्र जोशी, श्री वीरेंद्र वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री राजेंद्र सिंह सिंगार, न्यायिक मजिस्ट्रेटगण श्री विनायक गुप्ता, श्री अतुल यादव, श्री सीताराम दास, श्रीमती प्रियंका सोलंकी, सुश्री सोनाली वर्मा, श्री अनुराग शर्मा, श्री कुशाग्र अग्रवाल, सुश्री ज्योति फुस्केले, श्री राहुल दीवान एवं अन्य न्यायाधीशगण, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री चन्द्रेश मण्डलोई, रेंजर श्री मदन मोरे, वन विभाग एवं जिला प्राधिकरण के स्टॉफगण उपस्थित रहे। उपरोक्त के अतिरिक्त तहसील विधिक सेवा समिति नागदा, महिदपुर, बड़नगर, तराना एवं खाचरौद में भी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पौधे रोपे गये।

होमगार्ड कार्यालय का निरीक्षण किया

उज्जैन। होमगार्ड लाइन में होमगार्ड तथा आपदा प्रबंधन के पुलिस उप महानिरीक्षक आई.पी.एस. श्री मनीष अग्रवाल द्वारा निरीक्षण किया गया, जिनका स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर डिवीजनल कमाण्डेन्ट होमगार्ड उज्जैन श्री रोहिताष पाठक ने किया। इसके पश्चात सुसज्जित गार्ड द्वारा डी.आई.जी महोदय को सलामी दी गई। डी.आई.जी द्वारा कार्यालय परिसर का निरीक्षण किया गया एवं अन्य स्थलों का अवलोकन किया गया। इसके पश्चात डी.आई.जी द्वारा कार्यालयीन अभिलेखों का निरीक्षण किया व सुधार हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उनके द्वारा कुछ महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर अधिकारियों/कर्मचारियों व जवानों से चर्चा की गई। इसके पश्चात आपदा उपकरणों के भण्डार में जाकर एसडीईआरएफ जवानों से मुखातिब हुए व उनसे आपदा उपकरणों को ऑपरेट करवाकर उपकरणों की क्षमताओं को परखा। एसडीईआरएफ जवानों को फिट रहने व नियमित व्यायाम करने का सुझाव भी उनके द्वारा दिया गया।

निरीक्षण के अवसर पर प्लाटून कमाण्डर श्रीमती रूबी यादव, प्लाटून कमाण्डर श्रीमती शीला चौधरी, प्लाटून कमाण्डर श्री पुष्पेन्द्र त्यागी, प्लाटून कमाण्डर सुश्री हेमलता पाटीदार, प्लाटून कमाण्डर, सुश्री गायत्री वर्मा व एसएसआई श्री बी.एल. सारेल सहित समस्त कार्यालयीन स्टॉफ व होमगार्ड/एसडीईआरएफ के जवान उपस्थित थे।

स्वास्थ्य शिविर में हुई 390 जांचें, 46 रोगियों का उपचार होगा

उज्जैन। लायन्स क्लब अवंतिका एवं श्री अरबिंदो हॉस्पिटल इंदौर के सहयोग से स्व. श्रीमती रमा देवी राठौर की पुण्य स्मृति में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में पहली बार श्री अरबिंदो हॉस्पिटल की 3-3 उम्मीदों वाली बसों के द्वारा कुल 390 जांचें की गईं जिनमें से 46 गंभीर रोगियों का उपचार किया जाएगा। महंगी जांचें निःशुल्क होने से नागरिक लाभान्वित हुए। क्लब अध्यक्ष दिनेश राठौर के अनुसार होटल विक्रमादित्य में आयोजित शिविर में मुख्य रूप से महिलाओं के सर्वाइकल कैंसर एवं स्तन कैंसर की जांच अनुभवी डाक्टरों द्वारा की गई। लगभग 150 महिलाओं ने पंजीयन कराया था। जिसमें से 54 महिलाओं के स्तन कैंसर की जांच की गई। 38 महिलाओं के सर्वाइकल कैंसर की भी जांच की गई। इसी तरह दंत परीक्षण वेनिटी वेन में करीब 46 व्यक्तियों के दांतों का चेक अप किया गया। करीब 125 मरीजों के ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच की गई। 58 का हिमोग्लोबिन ए1सी किया गया। 68 ईसीजी, 54 इकोग्राफी, 46 सोनोग्राफी की गईं। करीब 46 गंभीर मरीजों की पहचान कर उन्हें भावी इलाज के लिए श्री अरबिंदो हॉस्पिटल रेफर किया गया जहां से करीब 75 अनुभवी चिकित्सकों एवं टेक्नीशियन की टीम आई थी। शिविर में डॉ विजय गर्ग का विशेष मार्गदर्शन रहा। लायंस क्लब इंटरनेशनल के द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रवीण वशिष्ठ एवं डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी गिरीश जयसवाल की उपस्थिति रही तथा क्लब सचिव गुलशन नाटानी, संयोजक एलडी साबू, गोविंद गोयल, तेजकुमार जैन, अनिल गोयल, रवि श्रीमाली, नितेश मित्तल आदि लायंस क्लब साथियों का शिविर की सफलता में विशेष सहयोग रहा।

उपार्जन केंद्रों पर पर्याप्त छाव, पेयजल इत्यादि व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें-कलेक्टर

उज्जैन। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में उपार्जन की समीक्षा कर मानक मापदंड के अनुरूप खरीदी किए जाने के निर्देश सभी उपार्जन संबंधी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि परिवहन और भंडारण भी सुचारू रूप से किया जाएं। मंडी में होने वाली खरीदी की भी प्रतिदिन रिपोर्ट की जाएं। उन्होंने सभी एसडीएम से उपार्जन केंद्रो के निरीक्षण के दौरान पाई गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसानों की सुविधाओं के लिए खरीदी केन्द्रों पर छाव, पेयजल इत्यादि व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों से प्राप्त शिकायतों का भी त्वरित निराकरण कराएं। किसानों को भुगतान भी समय पर किया जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा कर पीठासीन अधिकारियों का प्रशिक्षण 4 अप्रैल से 6 अप्रैल तक आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि पीठासीन अधिकारियों के प्रशिक्षण में सेक्टर ऑफिसर्स भी शामिल रहें। सेक्टर ऑफिसर्स को भी पीठासीन अधिकारियों के दायित्वों के संबंध में अच्छे से प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक है कि सेक्टर ऑफिसर्स का पीठासीन अधिकारियों के दायित्वों से भलीभांति अवगत होना चाहिएं। प्रशिक्षण में विशेष रूप से ईवीएम का हैंड्स ऑन प्रशिक्षण अच्छे से दिया जाएं। जिसकी ट्रेनिंग में परीक्षा भी ली जाएं। पीठासीन अधिकारियों की परीक्षा के लिए डिप्टी कलेक्टर्स की ड्यूटी लगाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप गतिविधियों को और प्रभावी बनाएं। आगामी शिव ज्योति अर्पणम्म सहित अन्य कार्यक्रमों में मतदाता जागरूकता की गतिविधियां भी आयोजित की जाए। कम मतदान प्रतिशत वाले केंद्रो पर विशेष फोकस कर स्वीप एक्टिविटीज कराएं। उन्होंने बैठक में निर्वाचन को प्रभावित करने वालों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की अनुविभागवार जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सी विजील एप पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को दिए। उन्होंने मतदान के दृष्टिगत सभी मतदान केंद्रों पर रंगाई पुताई के साथ आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्वाचन के संबंध में मानव संसाधन प्रबंधन, ट्रेनिंग, आवश्यक सामग्री, परिवहन, स्वीप, कानून व्यवस्था, ईवीएम, बैलट पेपर, कम्युनिकेशन प्लान इत्यादि मैनेजमेंट की समीक्षा कर नोडल और सहायक नोडल अधिकारियों को अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में समयसीमा के प्रकरणों की भी विभागवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित कि सभी अधिकारी टीएल प्रकरणों को समय पर निराकरण सुनिश्चित कराएं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री मृणाल मीना, आयुक्त नगर निगम श्री आशीष पाठक, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महेंद्र कवचे , एडीएम श्री अनुकूल जैन सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

लोकसभा चुनाव से पहले म.प्र. में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका, छिंदवाड़ा के महापौर और आदिवासी नेता विक्रम अहाके ने कांग्रेस छोड़ भाजपा की सदस्यता ली

भोपाल। लोकसभा चुनाव से पहले मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा जब छिंदवाड़ा के महापौर और आदिवासी नेता विक्रम अहाके ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। अहाके वही नेता हैं साल 2022 में महापौर चुनाव में जीत के बाद जिनकी चर्चा पूरे देश में हुई थी। उस वक्त उनकी एक तस्वीर खूब वायरल हुई थी, जिसमें में साधारण चप्पल, कमर में गमछा और शर्ट पहनकर कंधे पर लकड़ी का गट्ठर लेकर जाते हुए दिखाई दे रहे थे। बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले अहाके ने उस चुनाव में जीत हासिल करते हुए महापौर चुनाव में कांग्रेस का 18 साल का सूखा खत्म किया था। जिसके बाद पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी ने अहाके की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए उनकी तारीफ की थी। साथ ही उनकी बहन व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी ने इस जीत को लेकर पार्टी के कद्दावर नेता कमलनाथ को असंभव को संभव करने वाला नेता बताया था।

अहाके की जीत मध्यप्रदेश में कांग्रेस के लिए एक नया जोश लेकर आई थी। खासकर 11 नगर निगमों से जिन 3 सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली थी, उनमें से छिंदवाड़ा एक थी। यह जीत इस मायने में भी खास थी कि बिना शोर-शराबे के और प्रचार-प्रसार में लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किए बिना भी लोगों के भरोसे के दम पर चुनाव में जीत हासिल की जा सकती है। अहाके की इस जीत ने देश में लोकतंत्र की एक नई तस्वीर पेश की थी, जिसमें गरीब से गरीब और साधारण से साधारण व्यक्ति भी चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेकर जीत हासिल कर सकता है। वहीं छिंदवाड़ा जैसी जगह पर जो कि पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलनाथ का गढ़ माना जाता है, वहाँ पर 18 साल से महापौर चुनाव का ना जीत पाना भी कांग्रेस के लिए एक कमजोरी बना हुआ था, ऐसे में अहाके की जीत कांग्रेस के लिए एक ताजी हवा के झोंके की तरह थी, साथ ही पार्टी में युवाओं की नई पौध के लिए भी प्रेरणा देने वाला था।

जीत के बाद एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में अपना अनुभव शेयर करते हुए विक्रम ने कहा था- प्राथमिक शिक्षा से ही मैंने बहुत संघर्ष किया था, यहाँ तक कि कॉपी-किताब और बैग खरीदने के लिए भी पैसे नहीं होते थे। बैग नहीं होता था, तो थैली में कॉपी-किताब रखकर तीन-चार किलोमीटर हमारे स्कूल जाया करते थे। फर्स्ट ईयर तक शादियों में कैटरिंग का काम किया है। शादियों में प्लेट उठाने तक का काम किया। मजदूरी का काम किया। साइकिल से पोस्टर बेचने जाया करता था।

इंटरव्यू में विक्रम ने बताया था कि मैं कमलनाथजी के समक्ष टिकिट मांगने भोपाल नहीं आया था। न ही किसी तरह की दावेदारी पेश की थी। मुझे अंदाजा नहीं था कि मेरा नाम भी कांग्रेस की सूची में होगा। मुझे समझ नहीं आया कि क्या हो गया। बता दें कि 2022 में हुए नगर निगम चुनाव के लिए छिंदवाड़ा के महापौर का पद अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित था।

विक्रम अहाके अनुसूचित जनजाति से आते हैं, मध्यप्रदेश में जिनकी संख्या (2011 की जनगणना के अनुसार) करीब 21 प्रतिशत यानी 153.21 लाख है। ऐसे में इतने बड़े वर्ग के वोटरों को आकर्षित करने के लिहाज से भी अहाके कांग्रेस के लिए पोस्टर बॉय की तरह थे। जिन्हें देखकर युवा पार्टी में अपने भविष्य को लेकर आश्वस्त हो सकते थे। हालांकि अब उनके भाजपा में जाने से कांग्रेस के लिए किसी बड़े झटके की तरह है।

दो साल पहले महापौर चुनाव में अहाके की जीत के बाद राहुल गाँधी ने सोशल मीडिया पर अहाके की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, मां आंगनवाड़ी में काम करती हैं, पिता जी किसान हैं और बेटा महापौर है। मध्य प्रदेश की छिंदवाड़ा नगर निगम में कांग्रेस ने 18 साल बाद बड़ी जीत दर्ज की है। कांग्रेस पार्टी के विक्रम आहाके ने साबित कर दिया कि अगर सच्ची मेहनत, लगन और ईमानदारी से अपने सपनों के लिए लड़ा जाए तो इंसान कुछ भी हासिल कर सकता है।

विक्रम आहाके कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष थे और युवा कांग्रेस के जिला सचिव के तौर पर भी संघर्षरत थे, अब वो छिंदवाड़ा के महापौर होंगे। हमारा सपना है कि एक ऐसा हिंदुस्तान बने जहां अमीर-ग़रीब में फासला न हो, सबको समानता का अधिकार मिले और कांग्रेस पार्टी जनता से किए गए अपने सभी वचनों के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मैं और पूरी कांग्रेस पार्टी को विक्रम आहाके जी पर गर्व है, हमें आपके जैसे ही निडर और पार्टी की विचारधारा में विश्वास रखने वाले कार्यकर्ताओं की जरूरत है।

जुलाई 2022 में हुए छिंदवाड़ा के महापौर चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम अहाके ने भाजपा प्रत्याशी अनंत धुर्वे को 3786 वोटों से हराकर जीत हासिल की थी।

अहाके ने राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पर जाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। अहाके को सदस्यता दिलवाने के बाद इस बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि कमलनाथ ने छिंदवाड़ा को बहुत नुकसान पहुंचाया है। उनके बेटे और कांग्रेस नेता नकुलनाथ ने आदिवासी समुदाय पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे आहत होकर विक्रम अहाके ने ये निर्णय लिया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और अन्य कई भाजपा नेता भी मौजूद रहे। इससे पहले छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह भाजपा में शामिल हुए थे। तीन दिन पहले उन्होंने भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पर अपनी पत्नी और हर्रई नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष माधवी शाह तथा बहन व जिला पंचायत सदस्य केसर नेताम के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी।

मातृशक्ति के लिए मोदी ने उठाए बड़े कदम : विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मातृशक्ति के सशक्तिकरण के लिए जो काम किया है, संभवतः आजादी के बाद किसी सरकार ने इतना काम नहीं किया। महिलाओं की सुरक्षा से लेकर उनके सशक्तिकरण तक के लिए मोदी सरकार ने जो कदम उठाए हैं, उनकी चर्चा विदेशों तक में हो रही है। यही वजह है कि नरेन्द्र मोदी देश की मातृशक्ति के बीच सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मातृशक्ति ने भाजपा को अपना आशीर्वाद देकर इतिहास रचा है। उसी तरह लोकसभा चुनाव में भी माता-बहनें भाजपा को अपना आशीर्वाद देकर इतिहास रचेंगी।

यह बात भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव देश के अंदर बड़े बदलाव का चुनाव है। पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जो विकास हुआ उससे देश के लोग ही नहीं, बल्कि दुनिया के लोग भी परिचित है। प्रधानमंत्री मोदी ने मातृशक्ति को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक तौर पर मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा काम किया है। अगर मैं यह कहूं तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि 75 साल की आजादी में अभी तक प्रधानमंत्री मोदी से ज्यादा कोई प्रधानमंत्री महिला शक्ति में इतना लोकप्रिय नहीं रहा जितना मोदी हैं। आज चाहे सेना में भागीदारी हो या फिर 11 करोड़ शौचालय बनाने का काम, सभी के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी जी ने महिलाओं का सम्मान बढ़ाने का काम किया है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार सबका साथ सबका विकास और सबका प्रयास का मंत्र लेकर आगे बढ़ रही है। इसलिए बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग की महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। मुस्लिम समाज की महिलाओं को ट्रिपल तलाक से मुक्ति मिली और उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया है।

देश भर में महिलाओं को सुरक्षा से लेकर सम्मान मिल रहा है। साल 2029 तक महिलाओं और देश का उत्थान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में होना तय है। 2047 में भारत विश्व गुरू बनेगा। लोकसभा चुनावों में हमारी मातृशक्ति विधानसभा चुनाव की तरह पूरी शिद्दत से जुटेगी और सारी 29 सीटें जिताकर प्रधानमंत्री मोदी के हाथ मजबूत करेगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि प्रदेश के विधानसभा चुनावों में महिला शक्ति ने बड़ी भूमिका निभाई थी। अब लोकसभा के चुनाव में महिलाओं की बड़ी भूमिका होगी।

मातृशक्ति का गुणगान सृष्टि की शुरुआत से हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से काम हुआ है। आज हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता भी यही है कि महिलाओं को हर क्षेत्र में शिक्षा दी जाए,ताकि सरकारों से मिलने वाले अधिकारों को महिलाएं समझ सकें और उसका फायदा उठाकर अपने परिवार के साथ-साथ समाज में निरंतरता के साथ आगे बढ़ सकें। प्रधानमंत्री मोदी कोई साधारण व्यक्तित्व नहीं है। देश के लोगों के साथ-साथ दुनिया उन्हें मानती है। हमारा सौभाग्य है कि हमें उनके साथ काम करने का मौका मिल रहा है। इस मौके को हमें गंवाना नहीं है और प्रधानमंत्री मोदी के साल 2047 तक भारत को विश्वगुरू बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए कदम से कदम मिलाकर चलना है।

लोकसभा चुनाव के प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने कहा कि इंडी गठबंधन महिलाओं के अपमान को लेकर कई बातें कर रहा और समय-समय पर करता रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के उत्थान को लेकर इतिहास रच दिया है। आदिवासी समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनीं इससे बड़ा सम्मान समाज के लिए नहीं हो सकता है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता से लेकर अनुच्छेद 370 को हटाना हो या फिर राम मंदिर का निर्माण, प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने हर वादा पूरा किया है। बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि सनातन को विपक्षी पार्टियां टारगेट कर रही हैं। सनातन विरोधियों को जवाब देने और उसे जिंदा रखने के लिए महिला शक्ति को बड़ी भूमिका निभाना होगी।

'पैसों की लगा दूं ढेरी' नोटों की गड्डी बेड पर बिछा बनाई रील होमगार्ड जवान के खिलाफ जांच शुरू

उज्जैन। उज्जैन में एक होमगार्ड के जवान को बेड पर नोटों की गड्डी बिछा कर रील बनाना भारी पड़ गया। इस जवान ने अपने बिस्तर पर 200 और 500 रुपये की गड्डी सजाई थी और बैकग्राउंड में सॉन्ग बज रहा था, क्या होता है पैसे का, पैसे की लगा दूं ढेरी। अब इस रील के वायरल होने के बाद पुलिस ऐक्शन के मूड में आ गई है। उज्जैन पुलिस अधीक्षक ने इस रील का संज्ञान लेते हुए इस पर जांच के आदेश दे दिए हैं। बताया जा रहा है कि रील बनाने वाले उज्जैन के होमगार्ड जवाब रवि शर्मा हैं, जिन्होंने नोटों की गड्डियों को सजाकर रील तैयार की थी। रवि शर्मा ने उसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था। रील वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन ने इस पर संज्ञान लिया।

उज्जैन जिले में होमगार्ड के पद पर पदस्थ जवान रवि शर्मा ने 500 और 200 रुपये की नोटों की गड्डी बिस्तर पर सजाकर रील बनाई और उसमें एक गाना भी डाला। इसका वीडियो फेसबुक पर शेयर किया गया था। वीडियो सोशल मीडिया जमकर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि होमगार्ड रवि ने कुछ दिन पहले अपना मकान बेचा था। यह उसी की रकम है, जिसे सैनिक ने बिस्तर पर सजाकर वीडियो बनाया है।

डिस्ट्रिक्ट होमगार्ड कमांडेंट संतोष जाट ने बताया कि होमगार्ड सैनिक रवि से इन रुपयों की जानकारी ली गई है। उसने बताया है कि मकान बेचने पर उसे रुपए मिले थे, जो वीडियो में नजर आ रहे हैं। उसने बैंक का डिटेल भी उपलब्ध कराया है। फिलहाल एसपी के आदेश पर इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने मामले में एडिशनल एसपी को जांच के आदेश दिए हैं। एसपी ने बताया कि संबंधित होमगार्ड सैनिक के रुपयों का सोर्स क्या है?

इसकी जांच की जाएगी, अगर रुपयों का कोई अवैध सोर्स पाया गया तो राशि जब्त कर कार्रवाई की जाएगी।

साईलेंट बाबा को महंत गादी पर बैठाया

उज्जैन। अंकपात क्षेत्र स्थित श्री राम जनार्दन मंदिर के सामने स्थित श्री गुरू बालक धाम पर रविवार की दोपहर उज्जैन के सभी अखाड़ो के संत-महंत-महामंडलेश्वर एकत्रित हुए।

श्री गुरू बालकधाम के पीठाधिश्वर बालयोगी संत श्री बालकृष्णदास जी (साईलेंट बाबा) को महंतश्री के पद पर आसीन कर उनकी कंठी-चादर की विधि सम्पन्न कराई गई।

महंत श्री बालकृष्णदास जी महाराज विगत करीब एक दशक से मौन साधना कर रहे है। रविवार को श्री पंच रामानंदीय दिगंबर अनी अखाड़ा उज्जैन व श्री षट्दर्शन संत मंडल उज्जैन द्वारा महंत श्री बालकदास जी महाराज लोहालंगडी खेड़ीघाट बड़वाह के कृपापात्र शिष्य संत श्री बालकृष्णदास जी (साईलेंट बाबा) को महंताई प्रदान की गई। महंताई में उज्जैन षट्दर्शन संत मंडल के समस्त संत-महंत, महामंडलेश्वर उपस्थित रहे व समस्त संत-महंतो द्वारा संत श्री बालकृष्णदास जी (साईलेंट बाबा) गुरू महंत श्री बालकदास दास जी को चादर विधि -कंठी दी गई।

उक्त महंताई कार्यक्रम में तीनो अनी के निशान का विधिवत पूजन कर समस्त संत व महंतो को भेंट-दक्षिणा प्रदान कर सम्मानित किया गया। उक्त आयोजन से पूर्व संपूर्ण अंकपात क्षेत्र में अखाड़ो के निशान के रूप में श्री हनुमान जी महाराज का भव्य चल समारोह निकाला गया। आयोजन में प्रमुख रूप से रामादल अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डा. रामेश्वरदास जी महाराज, महंत श्री बालकदास जी महाराज, महंत श्री भगवानदास जी महाराज, महंत श्री रामचंद्रदास जी दिगंबर अखाडा, महंत श्री दिग्विजय दास जी महाराज निर्वाणी अखाड़ा, महंत श्री रामसेवक दास जी, महंत श्री महेशदास जी महाराज निर्मोही अखाड़ा, महंत श्री रामेश्वरगिरी जी महाराज, महंत श्री राजेश गुरू जी त्यागी महाराज, महंत श्री आनंदपुरी जी महाराज, महंत श्री काशीदास जी महाराज सहित उज्जैन के अन्य संत व महंतों ने उपस्थित रहकर श्रीगुरू बालकधाम के पीठाधिश्वर बालकृष्णदास जी महाराज को शुभकामनाएं प्रदान की।

शतरंज स्पर्धा 10 एवं 11 अप्रैल को

उज्जैन। मध्य प्रदेश राज्य शतरंज संघ के तत्वाधान में उज्जैन डिस्ट्रिक्ट चेस कॉरपोरेशन एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रथम बुध्दिबल जिला स्तरीय अंतर विद्यालयीन रेपिड शतरंज स्पर्धा का आयोजन कोठी रोड़ स्थित विक्रम विश्वविद्यालय के जिम्नेशियम हॉल पर 10 एवं 11 अप्रैल को किया जा रहा है। स्पर्धा विश्व शतरंज महासंघ के नियमानुसार स्विस लीग पद्धति से प्रत्येक चक्र 15 मिनट्स प्लस 5 सेकंड्स इंक्रीमेंट की समय सीमा में खेला जाएगा।

स्पर्धा में उज्जैन जिले के शासकीय, अर्धशासकीय एवं निजी विद्यालयों के सभी विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। स्पर्धा चार वर्गों में खेली जाएगी। जिसमें 10 अप्रैल को प्रथम वर्ग में कक्षा 1 से कक्षा 3 तक, द्वितीय वर्ग में कक्षा 4 से कक्षा 6 तक के बालक बालिकाओं के मध्य मुकाबले खेले जाएंगे। 11 अप्रैल को तृतीय वर्ग में कक्षा 7 से कक्षा 9 तक एवं चतुर्थ वर्ग में कक्षा 10 से कक्षा 12 तक के बालक बालिकाओं के मध्य मुकाबले खेले जाएंगे।

स्पर्धा की जानकारी उज्जैन डिस्ट्रिक्ट चैस कॉरपोरेशन एसोसिएशन के सचिव एवं राष्ट्रीय आर्बिटर नीरज सिंह कुशवाहा ने देते हुए बताया कि चारों वर्गों में प्रथम 15 खिलाड़ियों को नगद राशी एवं आकर्षक ट्रॉफी से पुरुस्कृत किया जाएगा। स्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी 7 अप्रैल तक ऑनलाइन माध्यम से अपनी प्रविष्टियां दे सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए खिलाड़ी उज्जैन डिस्ट्रिक्ट चैस कॉर्पोरेशन एसोसिएशन के कार्यालय 5 एमआईजी, लक्ष्मी नगर एवं बुध्दिबल चेस अकादमी पर नीरज सिंह कुशवाह से संपर्क कर सकते है।

उल्लास और उमंग के वातावरण में प्रवेशोत्सव हुआ

उज्जैन। शालेय शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नवीन शेक्षणिक सत्र का शुभारम्भ 1 अप्रैल से शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय, नलिया बाखल, उज्जैन में किया गया। नवागत विद्यार्थियों ने हर्ष उल्लास के साथ शाला में प्रवेश किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक शैलेंद्र व्यास, स्वामी मुस्कुराके ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिक्षा जगत की आराधक देवी माँ वीणा पाणी सरस्वती जी का पूजन अर्चन कर दीप दीपन किया। शिक्षिका श्रीमती प्रियंका सोलंकी एवं श्रीमती भारती गोमे ने सस्वर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। श्रीमती लता शिंदे एवं श्रीमती रेणुका मंडावरा ने मध्य प्रदेश गान के माध्यम से रोचक वातावरण निर्मित किया। संजय अष्ठाना एवं विष्णु सोलंकी ने छात्र छात्राओं का मंगल तिलक लगाकर प्रथम अभिनंदन किया। प्रधानाध्यापक शैलेंद्र व्यास ने

घंटी बजाकर नवीन सत्र का शुभारंभ किया। समग्र शिक्षा...मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल द्वारा प्रकाशित हमारा घर हमारा विद्यालय.. प्रयास... पुस्तिका का विद्यार्थियों को वितरण किया। शैलेंद्र व्यास ने विद्यार्थियों के उत्साह में अभिवृद्धि करते हुए कहा कि प्रयास छोटा ही सही, प्रयास तो हो...आसमां झुके ना झुके, आस तो हो। कार्यक्रम का संचालन श्री पुरुषोत्तम विष्णु ने किया।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
• प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)